CAREERINDIA

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________
(In words)

J 0 1 8 1 8

PAPER - II
MAITHILI

Time : 2 hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **12** Number of Questions in this Booklet : **100**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of hundred multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में सौ बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।
   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही प्रयोग करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**

www.careerindia.com

CAREERINDIA

MAITHILI
मैथिली
PAPER - II
प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **hundred (100)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are **compulsory**.

निर्देश : इस प्रश्न-पत्र में **सौ (100)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

नोट : एहि प्रश्नपत्रमे **एकसय (100)** बहु-विकल्पीय प्रश्न अछि। प्रत्येक प्रश्नक **दू (2)** अंक अछि। **सभ** प्रश्न **अनिवार्य** अछि।

1. सिद्ध-साहित्य सामग्री अछि :
   (1) आदिकालीन (2) मध्यकालीन
   (3) आधुनिककालीन (4) अत्याधुनिककालीन

2. ''काजरक भीत्ति तेलेँ सिञ्चलि अइसन रात्रि. पछबाकाँ बेगेँ काजरक मोट फुजल अइसन मेघ. निविल मांसल अन्धकार देषु.'' मे वर्णन अछि :
   (1) अन्धकारक (2) वर्षारात्रिक (3) कालरात्रिक (4) मोहरात्रिक

3. 'धूर्त्तसमागम' अछि :
   (1) प्रकरण (2) व्यायोग (3) प्रहसन (4) ईहामृग

4. 'हरगौरी विवाह' लिखने छथि :
   (1) भूपतीन्द्रमल्ल (2) जगत्प्रकाशमल्ल (3) रणजीतमल्ल (4) जगज्ज्योतिर्मल्ल

5. 'वर गीत' क प्रयोग होइछ :
   (1) कीर्त्तनियाँ नाटकमे (2) अंकीया नाट मे
   (3) आधुनिक मैथिली नाटकमे (4) नेपालीय मैथिली नाटकमे

6. ''जलधर छाहरि तर हम सुतलहुँ आतप भेल परिनामे'' – ई पंक्ति थिक :
   (1) 'उषाहरण' क (2) 'प्रभावतीहरण' क
   (3) 'पारिजातहरण' क (4) 'सुभद्राहरण' क

7. 'यक्ष-प्रश्न' लिखने छथि :
   (1) अशोक (2) मधुकान्त झा
   (3) शैलेन्द्र आनन्द (4) धीरेन्द्र नाथ मिश्र

8. 'कोब्रागर्ल' लिखने छथि :
   (1) ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म' (2) विद्यानाथ झा 'विदित'
   (3) शेफालिका वर्मा (4) उषाकिरण खान

www.careerindia.com

CAREERINDIA

9. ईशनाथ झा कृत 'शकुन्तला' थिक :

(1) महाकाव्य (2) खण्डकाव्य

(3) मुक्तक काव्य (4) नाटक

10. 'भिन्न-अभिन्न' लिखने छथि :

(1) रमण झा (2) आर.के. रमण

(3) फूलचन्द्र मिश्र 'रमण' (4) रमानन्द झा 'रमण'

11. सुधांशु 'शेखर' चौधरीक कृति छनि :

(1) अनवरत (2) अखियासल (3) सन्दर्भ (4) कालपात्र

12. 'उचिती' गाओल जाइछ :

(1) बच्चाक जन्मक कालमे (2) विवाह कालमे

(3) दाहा-भ्रमणक कालमे (4) टेमी दगबाक कालमे

13. सुधाकर झा 'शास्त्री' पर विनिबन्ध लिखने छथि :

(1) देवेन्द्र झा (2) आनन्द मिश्र (3) जयमन्त मिश्र (4) गजेन्द्र ठाकुर

14. 'मैथिल-हित-साधन' क प्रकाशन भेल :

(1) हैदराबादसँ (2) कोलकातासँ (3) वाराणसीसँ (4) जयपुरसँ

15. राजनन्दन लालदास सम्पादक छथि :

(1) 'मिथिला दर्शन'क (2) 'जानकी'क (3) 'कर्णामृत'क (4) 'मिथिला दर्पण'क

16. सर्वाधिक छन्दक प्रयोग भेल अछि :

(1) 'राम सुयश सागर'मे (2) 'मिथिला भाषा रामायण'मे

(3) 'रमेश्वरचरित मिथिला रामायण'मे (4) 'चाणक्य'मे

17. 'एकवीर'क वर्णन भेल अछि :

(1) 'एकावली-परिणय'मे (2) 'रावणवध'मे

(3) 'पाञ्चाली-परिणय'मे (4) 'प्रतिज्ञा-पाण्डव'मे

18. 'एकावली-परिणय'मे सर्गक संख्या अछि :

(1) बारह (2) तेरह (3) चौदह (4) पन्द्रह

19. ''टेढ़ो टूढ़ सुअन्नसँ जौँ निर्मित पकवान'' वर्णित अछि :

(1) 'विश्वामित्र'मे (2) 'कन्दर्प-कानन'मे (3) 'कृष्णचरित'मे (4) 'कृष्णजन्म'मे

20. 'बन्धु' उपनाम सँ विभूषित छथि :

(1) काञ्चीनाथ झा (2) दीनानाथ पाठक (3) उपेन्द्रनाथ झा (4) काशीकान्त मिश्र

www.careerindia.com

CAREERINDIA

21. सीताराम झाक कृति छनि :

(1) पराशर (2) रावण–बध (3) त्रिपुण्ड (4) अम्बचरित

22. दामोदर लालदासक 'शकुन्तला' थिक :

(1) महाकाव्य (2) खण्डकाव्य (3) मुक्तक काव्य (4) गीतिकाव्य

23. ''चलु क्षिप्र चरण, चलु क्षिप्र चरण'' – ई उक्ति थिक :

(1) अगस्त्यक (2) दुर्वाशाक (3) नहुषक (4) विश्वामित्रक

24. यागेश्वर झाक कृति अछि :

(1) व्यथा (2) नोर (3) उत्सर्ग (4) एकलव्य

25. 'वृहन्नला' नामसँ जानल गेल छथि :

(1) भीम (2) युधिष्ठिर (3) सहदेव (4) अर्जुन

26. 'पचमेर' लिखने छथि :

(1) सरस (2) मोहन (3) मधुप (4) भुवन

27. 'अङ्कावली'क प्रणेता छथि :

(1) सुरेन्द्र झा 'सुमन' (2) ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'

(3) रामचरित्र पाण्डेय 'अणु' (4) रामकृष्ण झा 'किसुन'

28. 'जगतारनि' शीर्षक कविता छनि :

(1) जनकक (2) यात्रीक (3) विरंचिक (4) मिहिरक

29. ''अभिनव विद्यापतिक भवानी जागि रहल अछि'' – ई उद्बोधनात्मक पंक्ति लिखने छथि :

(1) कीर्त्ति नारायण मिश्र (2) राजकमल चौधरी

(3) मायानन्द मिश्र (4) आरसी प्रसाद सिंह

30. 'गुदगुदी'क प्रणयन कएलनि :

(1) प्रवीण (2) सोमदेव (3) अमर (4) भ्रमर

31. ''की फुरै.ऐ–की–ने'' कविता संगृहीत अछि :

(1) उदयचन्द्र झा 'विनोद'क (2) भीमनाथ झाक

(3) सुकान्त सोमक (4) प्रदीप बिहारीक

32. ''की न बनल हिमवान मरणशय्यागत रहितथि, जँ न अमर धुनि! अहँक अमृत रस भाग्यहि पबितथि।'' – एहिमे स्तुति अछि :

(1) पार्वतीक (2) कालीक (3) दुर्गाक (4) गंगाक

www.careerindia.com

CAREERINDIA

33. 'मैथिली भाषिकी : मैथिली भाषाक प्रकृति ओ प्रकार्य 'प्रकाशित अछि :
(1) पटना विश्वविद्यालयसँ (2) ल.ना. मिथिला विश्वविद्यालयसँ
(3) ति.माँ. भागलपुर विश्वविद्यालयसँ (4) बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालयसँ

34. भाषा विज्ञान पर पोथी लिखने छथि :
(1) शिव प्रसाद यादव (2) अशोक कुमार मेहता
(3) अशोक अविचल (4) दमन कुमार झा

35. 'प्रवास जीवन'क प्रणेता छथि :
(1) चेतनाथ झा (2) भाग्यनारायण झा
(3) मुरारि मधुसूदन ठाकुर (4) सुभद्र झा

36. 'तुमि चिर सारथि' लिखने छथि :
(1) तारानन्द वियोगी (2) रामावतार यादव (3) महेन्द्र हजारी (4) ताराकान्त झा

37. 'किरण'जी विरचित अछि :
(1) भात (2) कोन महल नाम राखबै एकर
(3) बाबी (4) रूना

38. 'प्रबोध-साहित्य-सम्मान' प्राप्तकर्त्ता छथि :
(1) जयदेव मिश्र (2) बाबू साहेब चौधरी (3) कीर्त्ति नारायण मिश्र (4) श्रीकृष्ण मिश्र

39. 'चित्रा'क भूमिका लिखने छथि :
(1) रमानाथ झा (2) तन्त्रनाथ झा (3) परमेश्वर झा (4) जयकान्त मिश्र

40. 'परिचय-निचय' केर लेखक छथि :
(1) अमरनाथ झा (2) शैलेन्द्र मोहन झा
(3) लक्ष्मीकान्त झा (4) बुद्धिधारी सिंह 'रमाकर'

41. 'समीक्षाक प्रतिमान'क रचयिता छथि :
(1) कृष्ण कुमार ठाकुर (2) लेखनाथ मिश्र (3) चन्द्रधर झा (4) अमरेश पाठक

42. 'पुरुष परीक्षा'मे 'दानवीर'क कथा अछि :
(1) प्रथम परिच्छेदमे (2) द्वितीय परिच्छेदमे (3) तृतीय परिच्छेदमे (4) चतुर्थ परिच्छेदमे

43. ''सपन देखल हम __________ भूप'' - एतए रिक्त-स्थानमे होएत ;
(1) देवसिंह (2) शिवसिंह (3) नरसिंह (4) हरिसिंह

www.careerindia.com

CAREERINDIA

44. 'पुरुष परीक्षा'क रचना भेल :

(1) देवसिंहक आश्रयमे (2) कीर्त्तिसिंहक आश्रयमे
(3) शिवसिंहक आश्रयमे (4) वीरसिंहक आश्रयमे

45. ''तोहर कमल भमर मोर देखल, मदन उठल जागि'' – ई पंक्ति थिक :

(1) विद्यापतिक (2) उमापतिक (3) चतुर चतुर्भुजक (4) साहेब रामदासक

46. मुक्तक काव्यक प्रवर्त्तक मानल जाइत छथि :

(1) ज्योतिरीश्वर (2) विद्यापति (3) गोविन्ददास (4) मनबोध

47. 'कीर्त्तिपताका'मे यश-प्रशस्ति अछि :

(1) कीर्त्तिसिंहक (2) वीरसिंहक (3) नरसिंहक (4) शिवसिंहक

48. विद्यापतिक कीर्त्तनियाँ नाटक अछि :

(1) धूर्त्तसमागम (2) गोरक्षविजय (3) पञ्चसायक (4) कृष्णकेलिमाला

49. मैथिलीक लेल सर्वप्रथम 'मिथिला भाषा' शब्दक प्रयोग कएलनि :

(1) डाक-घाघ (2) ज्योतिरीश्वर (3) विद्यापति (4) चन्दा झा

50. मैथिलीमे पोथीक पहिल अनुवाद कएलनि :

(1) मुकुन्द झा 'बक्शी' (2) परमेश्वर झा (3) चन्दा झा (4) लालदास

51. चन्दा झाक मूल नाम छलनि :

(1) चन्द्रनाथ झा (2) चन्द्रकान्त झा (3) चन्द्रपति झा (4) चन्द्रमणि झा

52. चन्दा झाक आश्रय-स्थल छल :

(1) मधुबनी ड्योढ़ी (2) राघोपुर ड्योढ़ी (3) बनैली इस्टेट (4) नरहन इस्टेट

53. ''हनुमानक लग केओ नहि जाए,
मारिक डरेँ भूत पड़ाए।'' – ई पंक्ति आएल अछि :

(1) अरण्यकाण्डमे (2) किष्किन्धाकाण्डमे (3) सुन्दरकाण्डमे (4) लंकाकाण्डमे

54. 'ञ' केर उच्चारण-स्थान थिक :

(1) नासिका (2) कंठ (3) तालु (4) मूर्द्धा

55. 'आँखि' शब्द थिक :

(1) तत्सम (2) तद्भव (3) देशज (4) विदेशज

www.careerindia.com

CAREERINDIA

56. भाषाक वर्गीकरणक प्रमुख प्रकार होइछ :
(1) दू (2) तीन (3) चारि (4) पाँच

57. 'महावैयाकरण' नामेँ प्रख्यात छथि :
(1) सीताराम झा (2) दीनबन्धु झा (3) जीवनाथ झा (4) रघुनन्दन दास

58. 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' कहने छथि :
(1) रुद्रट (2) दण्डी (3) कुन्तक (4) विश्वनाथ

59. 'अर्थ-प्राप्ति' थिक :
(1) काव्य-प्रभेद (2) काव्य-हेतु (3) काव्य-प्रयोजन (4) काव्य-दोष

60. 'समासोक्ति' भेद थिक :
(1) ध्वनिक (2) अलंकारक (3) रीतिक (4) गुणक

61. 'शोक' स्थायी-भाव थिक :
(1) शान्त रसक (2) भयानक रसक (3) हास्य रसक (4) करुण रसक

62. 'रीतिरात्मा काव्यस्य' कहने छथि :
(1) आनन्दवर्द्धन (2) अभिनवगुप्त (3) वामन (4) मम्मट

63. 'माधुर्य' होइछ :
(1) शब्दशक्तिक भेद (2) गुणक भेद (3) रसक भेद (4) दोषक भेद

64. 'त्रोटक' भेद थिक :
(1) सट्टकक (2) प्रहसनक (3) गोष्ठीक (4) उपरूपकक

65. 'यौगिक' भेद थिक :
(1) लक्षणाक (2) व्यंजनाक (3) अभिधाक (4) ध्वनिक

66. ''कंटक माझ कुसुम परगास, भमर विकल नहि पाबए पास'' मे अलंकार अछि :
(1) अप्रस्तुत प्रशंसा (2) उत्प्रेक्षा (3) अर्थान्तरन्यास (4) रूपक

67. उपमेयमे उपमानक सम्भावनाकेँ अलंकार कहल जाइछ :
(1) उपमा (2) उत्प्रेक्षा (3) काव्यलिंग (4) दृष्टान्त

68. 'पृथ्वीपुत्र'क भूमिका लिखने छथि :
(1) भोला लाल दास (2) सीताराम झा (3) रमानाथ झा (4) भुवनेश्वर सिंह 'भुवन'

www.careerindia.com

CAREERINDIA

69. शैलेन्द्र मोहन झाक 'विद्यापति' प्रकाशित अछि :
(1) साहित्य अकादेमीसँ (2) मैथिली अकादमीसँ
(3) नेशनल बुक ट्रस्टसँ (4) मैथिली मन्दिरसँ

70. 'ढुनमुन काकी'क चर्चा भेल अछि :
(1) 'कुमार'मे (2) 'भलमानुष'मे (3) 'कन्यादान'मे (4) 'विदागरी'मे

71. 'विप्रदास' अनूदित अछि :
(1) नित्यानन्द लालदासक (2) नवीन चौधरीक
(3) रेवती मिश्रक (4) उपेन्द्र नाथ झा 'व्यास'क

72. ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क पुरस्कृत उपन्यास अछि :
(1) लोरिक विजय (2) नैका बनिजारा (3) राय रणपाल (4) लवहरि-कुशहरि

73. 'नवारम्भ' उपन्यास लिखने छथि :
(1) प्रभास कुमार चौधरी (2) सुभाष चन्द्र यादव (3) मधुकान्त झा (4) आशा मिश्र

74. 'रमजानी' कथाक लेखक छथि :
(1) धीरेन्द्र (2) जीवकान्त (3) रमानन्द रेणु (4) ललित

75. 'सहस्र मेनका' कथाक प्रणेता छथि :
(1) रूपकान्त ठाकुर (2) राजकमल चौधरी (3) कुलानन्द मिश्र (4) बलराम

76. 'आगि मोम आ पाथर' कथा लिखने छथि :
(1) रामदेव झा (2) राजमोहन झा (3) मायानन्द मिश्र (4) मनमोहन झा

77. 'कचोट' कथा-संग्रहक रचयिता छथि :
(1) रमानन्द रेणु (2) नगेन्द्र कुमर (3) कुमार गंगानन्द सिंह (4) प्रबोध नारायण चौधरी

78. 'जीवन झा रचनावली'मे संगृहीत नाटकक संख्या अछि :
(1) दू (2) तीन (3) चारि (4) पाँच

79. 'जुआएल कनकनी' नाटक लिखने छथि :
(1) प्रीति ठाकुर (2) राम नरेश सिंह (3) महेन्द्र मलंगिया (4) गुणानन्द झा

80. 'नयना जोगिन'क रचनाकार छथि :
(1) विश्वेश्वर मिश्र (2) राजेश्वर झा (3) बुचरू पासवान (4) महेन्द्र नारायण राम

www.careerindia.com

CAREERINDIA

81. 'वैदेही'क प्रकाशन प्रारम्भ भेल :
(1) सुपौलसँ (2) सीतामढ़ीसँ (3) सहरसासँ (4) समस्तीपुरसँ

82. ''तारावलि निज पतिक कोरमे क्रम-क्रम आबथि।'' – ई पंक्ति थिक :
(1) 'नटवरलीला महाकाव्य'क (2) 'प्रतिज्ञा-पाण्डव'क
(3) 'सुभद्राहरण'क (4) 'शकुन्तला'क

83. 'कृष्णचरित' पर साहित्य अकादेमी सँ पुरस्कार भेटल अछि :
(1) मूल पुरस्कार (2) अनुवाद पुरस्कार (3) बाल पुरस्कार (4) युवा पुरस्कार

84. ''ने अस्त्रक प्रयोग ने शस्त्राघात,
अंग भंग नहि सानल माटिक थिम्ह।'' – ई पंक्ति थिक :
(1) 'एकलव्य'क (2) 'नोर'क (3) 'भारती'क (4) 'उत्तरा'क

85. खण्डकाव्य अछि :
(1) अम्बचरित (2) दत्त-वती (3) एकलव्य (4) अगस्त्यायनी

86. 'भारत-भ्रमण' लिखने छथि :
(1) जगदीश चन्द्र झा (2) सीताराम झा 'श्याम' (3) ताराकान्त मिश्र (4) महेन्द्र नाथ झा

87. 'तकैत अछि चिड़ै' अछि :
(1) निबन्ध-संग्रह (2) एकांकी-संग्रह (3) कथा-संग्रह (4) कविता-संग्रह

88. 'मुक्त मधुप' थिक :
(1) महाकाव्य (2) खण्डकाव्य (3) मुक्तक काव्य (4) चम्पू काव्य

89. 'काव्योपयोगी ग्रंथ' कहल जाइत अछि :
(1) 'धूर्त्तसमागम'कैँ (2) 'वर्णरत्नाकर'कैँ (3) 'गोरक्षविजय'कैँ (4) 'रागतरंगिणी'कैँ

90. 'उष्म' वर्ण थिक :
(1) य (2) र (3) ल (4) श

91. मैथिलीमे सर्वप्रथम अमित्राक्षर छन्दक प्रयोग कएलनि :
(1) सुरेन्द्र झा 'सुमन' (2) सीताराम झा
(3) तन्त्रनाथ झा (4) काशीकान्त मिश्र 'मधुप'

92. 'कीचक वध' महाकाव्यक सर्वप्रथम प्रकाशन भेल :
(1) 'मिथिला मिहिर'मे (2) 'मैथिली साहित्य पत्र'मे
(3) 'मिथिला मोद'मे (4) 'मैथिल प्रभा'मे

www.careerindia.com

93. 'पञ्चसन्धि'क प्रयोग होइत अछि :

(1) यात्रा-साहित्यमे (2) संस्मरणमे (3) खण्डकाव्यमे (4) नाटकमे

94. राजकमलक मूल नाम थिकनि :

(1) मणिकान्त चौधरी (2) मणीन्द्र नारायण चौधरी

(3) मणिशंकर चौधरी (4) मणिनाथ चौधरी

95. 'जीवन-यात्रा' अछि :

(1) यात्रा-साहित्य (2) रिपोर्ताज (3) आत्मकथा (4) रेडियो रूपक

निर्देश : निम्न गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि ओहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावली (प्रश्न संख्या 96 सँ 100) क उत्तर देबाक लेल बहु-विकल्पसँ सही विकल्पक चयन करू :

अतएव हम तँ कहब जे भारतीय संस्कृतिक चरम उत्कर्ष, अमरत्वक सोपान, अध्यात्म विद्याक बीजारोपण एतहि मिथिलामे भेल जे क्रमशः प्रस्फुटित, अंकुरित, पल्लवित होइत समस्त भारतमे तँ पसरिए गेल, विश्वक कोन-कोनमे जकर प्रचार ओ प्रसार होएब आवश्यक अछि। एहि प्रसंग इहो ध्यान देबाक विषय थिक जे जाहि अनासक्तिपूर्वक कर्मयोगकेँ जीवन-पथ बनाए, निष्काम कर्म करैत, महात्मा गाँधी राष्ट्रपिता भए अमरत्व लाभ कएल, विश्ववन्द्य भए महापुरुष सिद्ध भेलाइ, तकर प्रथम पाठ मिथिलेश जनकक देल थिक तथा तत्कालीन भारतक महामहिम सर्वपल्ली राधाकृष्णन् भारतक स्वतन्त्र भेला पर जाहि अध्यात्म-विद्याक 'सन्देश' भारतक राजदूत भए आध्यात्मिकताक उच्छेद-भूमि रूस गेलाह ओ भारतक राष्ट्रपति भए जाहि अध्यात्म-विद्याक प्राशस्त्य सर्वत्र उद्घोषित कएल तकर प्रथम उद्घोष भारतवर्षक एहि छोट भू-खंड मिथिलामे आइसँ कए सहस्र वर्ष पूर्व भेल छल।

परन्तु केवल आध्यात्मिकतहिक क्षेत्रसँ कहब जे मिथिलाक उत्कर्ष अछि से नहि। विशुद्ध राजनीतिक क्षेत्रहुमे मिथिलाक उत्कर्ष मनन करबाक विषय थिक। इतिहास साक्षी अछि जे विदेह जनकक वंशधर जखन धर्ममार्गसँ च्युत भए अनीतिक पथ धएल, प्रजाक उत्पीड़न करए लगलाह ओ अन्तमे एकगोट कथित ब्राह्मणक कन्याकेँ बलात् पकड़ि राखल तखन समस्त देश विद्रोही भए हुनका राज्यसँ हटाए ओ अपन पड़ोसी लिच्छवीलोकनिक संग मीलि, एक गोट गणतन्त्र राज्यक स्थापना कएल। ई गणतन्त्र राज्य आठ जातिक सम्मिलित संग छल जे सब जाति विदेहहिक जनपदमे बसैत छल, वर्त्तमान तिरहुतिक अन्तर्गत छल। एहिमे प्रमुख छलाह वैदेह ओ लिच्छवी। एहि संघक नाम छल वृज्जि ओ एकर राजधानी छल वैशाली। एहि संघक स्थापना भगवान बुद्धक प्रादुर्भावसँ कतोक दिन पूर्वहि भेल ओ संसारक इतिहासमे प्रजातन्त्र राज्यक, रिपब्लिकक, प्रायः प्रथमे दृष्टान्त थिक। वृज्जिगणक ई संग केहन महर्द्धिक, वैभवशाली ओ महानुभाव, प्रतापी छल तकर वर्णन बौद्ध साहित्यमे भरल अछि, ओकर अढ़ाइ हजार वर्षसँ ऊपर भेल। भारतवर्ष आइ पुनि प्रजातन्त्रक गणसंग राज्य अछि ओ अपन शैशवहिमे एहि प्रजातन्त्रकेँ चीनक आक्रमणसँ विकट संकट सम्प्राप्त भए गेलैक अछि। अतएव ई देखब आवश्यक प्रतीत होइत अछि जे कोन रूपेँ वृज्जिगण ओहि प्राचीनकालमे अपन कार्यक सञ्चालन करैत छलाह।

96. भारतीय संस्कृति पल्लवित होइत समस्त भारतमे पसरि गेल, जकर बीजारोपण भेल :

(1) नेपालमे (2) ओडिशामे (3) बंगालमे (4) मिथिलामे

97. विश्वक प्रत्येक कोनमे प्रचार-प्रसार होएब आवश्यक अछि :

(1) मैथिली भाषाक (2) संस्कृत भाषाक (3) भारतीय संस्कृतिक (4) भारतीय परिधानक

www.careerindia.com

CAREERINDIA

98. अध्यात्म विद्याक प्रथम उद्घोष भेल :

(1) मिथिलामे (2) असममे (3) बंगालमे (4) ओडिशामे

99. संसारक इतिहासमे प्रजातन्त्रक राज्यक प्रथम दृष्टान्त थिक :

(1) काठमांडू (2) वैशाली (3) भुवनेश्वर (4) गुवाहाटी

100. वृज्जिगणक वर्णन अछि :

(1) शैव साहित्यमे (2) जैन साहित्यमे (3) वैष्णव साहित्यमे (4) बौद्ध साहित्यमे

- o O o -

www.careerindia.com

Space For Rough Work

www.careerindia.com